आरती कृष्ण कन्हैया जी की

भजे व्रजैकमण्डनं समस्तपापखण्डनं,
स्वभक्तचित्तरञ्जनं सदैव नन्दनन्दनम् ।
सुपिच्छगुच्छमस्तकं सुनादवेणुहस्तकं,
अनंगरंग सागरं नमामि कृष्णनागरम् ।

आरती कृष्ण कन्हैया जी की
नटवर रास रचइया जी की ।

कारागृह के जो अवतारी, नन्द जसोदा मोद बिहारी ।
नंदलाला नटवर गिरधारी, वासुदेव हलधर- भैया की ।
मोर-मुकुट पीताम्बर छाजै, कटि काछिन, कर मुरलि बिराजै ।
पूर्ण सरद ससि मुख लखि लाजै, काम कोटि छबि जितवैया की ।
गोपीजन- रस-रास -विलासी, कौरव-कालिय -कंस-बिनासी ।
हिमकर -भानु- कृसानु-प्रकासी, सर्वभूत-हिय-बसवैया की।
कहुं रन चढ़ै, भागि कहुं जावै, कहुं नृपवर कहुं गाय चरावै ।
कहुं जोगेस, बेद जस गावै, जग नचाय ब्रज -नचवैया की ।
अगुन-सगुन लीला-बपु-धारी, अनुपम गीता -ज्ञान -प्रचारी ।
दामोदर सब बिधि बलिहारी, विप्र-धेनु -सुर -रखवैया की ।

विवरण

समस्त पापों का जो खण्डन (नाश) करने वाले हैं, पूरे ब्रह्माण्ड की जो रक्षा करते हैं, ऐसे कृष्ण कन्हैया को सारा ब्रज भजता है । कृष्ण कन्हैया अपने भक्तों के मन को आनन्दित करने वाले हैं, ऐसे कन्हैया को या नन्द के नन्दन को हम वन्दना करते हैं ।

कृष्ण कन्हैया की आरती है । रास को रचाने वाले इस नटवर कृष्ण कन्हैया की आरती है । जिनका जन्म कारागृह में हुआ, परन्तु नन्द बाबा एवं जसोदा मइया के यहाँ विहार करने वाले हैं । नन्द के ये लाला

हैं, गिरि पर्वत को धारण करने वाले हैं एवं दाऊ भइया (बलराम) के छोटे भाई हैं ।

इनके मुकुट पर मोर का पंख एवं शरीर पर पीला वस्त्र अद्‌भुत छवि बिखेर रहा है, इनके होटों पर मुरली बिराज रही है ,इनकी ये छवि देखकर शरद पूर्णिमा के चन्द्र भी लज्जित हो जाते हैं । गोपियों को ये अति आनन्द देने वाले हैं तथा कौरव एवं कंस का विनाश करने वाले भी हैं ।

ये सोने के समान चमकने वाले तथा सूर्य - चन्द्रमा के समान ज्योति फैलाने वाले है । ये कृष्ण जी सबके रक्षक एवं सबके हृदय में बसने वाले हैं । कहीं दौड़ के चढ़ जाते हैं, तो कहीं भाग जाते हैं, कभी राजा बनते है, तो कभी गाय चराते हैं । कभी वेदों के यश को गाते हैं, ऐसे पूरे जग को नचाने वाले ये श्री कृष्ण ब्रज में खुद ही नाच रहें हैं ।

शगुन-अपशगुन की लीला ये अच्छी तरह निभाते हैं तथा अनुपम गीता के ज्ञान को प्रचारित करने वाले हैं । चारों वेद एवं सारी विधि इनपे बलिहारी जाते हैं । ब्राह्मण, गाय एवं देवताओं के रखवाले हैं ये श्री कृष्ण जी, ऐसे कृष्ण कन्हैया की बारम्बार आरती है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.